

राम

राम राम राम राम राम राम राम राम राम राम

राम

* श्री सीताराम *

चारु चिन्तामणि कोष

HINDI SECTION

अथवा Library No. 1838

श्री रामनाम-परिवर्तन का संग्रह 18/12/19

जो

पूज्यपाद श्री गोस्वामी तुलसीदास जी के समस्त
रचित ग्रंथों से किया गया ।

अबलों नशानी तो अब न नशैहों । राम
कृपा भव निशा सिरानी जागे पुनि न डसैहों ।
पायों नाम “चारु चिन्तामणि” उर
कर ते न खसैहों । श्याम रूप शुचि खचिर
कसौटी चित कंचनहि कसैहों । पर बस जानि
हँस्यो इन्ह इन्द्रिन निज बश है न हँसैहों । मन
मधुकरप्रण करितुलसी रघुवर पदकमल बसैहों ॥

—:०:—

संग्रहकर्ता

(दीन) जयराम दास

राम

राम राम राम राम राम राम राम राम राम राम

राम